उत्तर पश्चिम रेलवे

थार रेल

अप्रैल 2025

हवामहल, जयपुर

जूनागढ़, बीकानेर

सिटी पैलेस, उदयपुर

NWRailways | NWRailways_

आयुक्त , रेल संरक्षा (वेस्टर्न सर्किल) का जयपुर दौरा

आयुक्त , रेल संरक्षा (वेस्टर्न सर्किल) श्री मनोज अरोड़ा ने एक दिवसीय जयपुर दौरा किया । दौरे के दौरान मुख्यालय पर संरक्षा पर बैठक ली। बैठक में महाप्रबंधक श्री अमिताभ , अपर महाप्रबंधक ,सभी विभागाध्यक्षों के साथ उत्तर पश्चिम रेलवे पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं एवं संरक्षित रेल संचालन पर चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

11 अप्रैल

भारत रत्न, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई गई

उत्तर पश्चिम रेलवे पर भारत रत्न, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई गई। समारोह में उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबन्धक श्री अमिताभ ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, सभी विभागाध्यक्षों , अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महाप्रबन्धक श्री अमिताभ ने अपने अभिभाषण में रेल कर्मियों से डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में योगदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उत्तर पश्चिम रेलवे पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जीवनी पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया । मंडलों पर भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई गई।

15 अप्रैल

15 अप्रैल

उत्तर पश्चिम रेलवे पर मनाया गया
विश्व विरासत दिवस

18 अप्रैल

विश्व विरासत दिवस के अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे की ऐतिहासिक भवनों एवं लोकोमोटिव को आकर्षक लाइट से सजाया गया। इस अवसर पर रेल विरासत का परिचय कराने के लिए अजमेर स्टेशन पर डिजिटल डिस्प्ले किया गया और पोस्टर, बैनर लगाए गए। अजमेर के रेल संग्रहालय को स्कूली बच्चों और आम जनता के लिए निशुल्क प्रवेश रखा गया। अजमेर कार्यशाला द्वारा अजमेर संग्रहालय में पेंटिंग, निबंध इत्यादि प्रतोयोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

जयपुर मंडल द्वारा बांदीकुई स्थित हेरिटेज साइट पर समारोह आयोजित किया गया जिसमे स्काउट गाइड एवं स्कूल के बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जयपुर स्थित कोच केयर काम्प्लेक्स में हेरिटेज कोच गैलरी लगाई गई। इस अवसर पर बीकानेर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में स्थित मीटर गेज लोको हेरिटेज साइट पर वृक्षारोपण किया गया एवं बीकानेर रेलवे स्टेशन पर जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें विश्व धरोहर के महत्व और संरक्षण के बारे में बताया गया।

इस अवसर पर जोधपुर मंडल के गडरा रोड रेलवे स्टेशन पर स्थित रेल संग्रहालय में निबंध प्रतियोगिता व संगोष्ठी का आयोजन किया गया एवं आमजन को संग्रहालय का भ्रमण करवा कर विरासत के प्रति उन्हें आकर्षित करने और उसके संरक्षण के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया । इस अवसर पर जोधपुर कार्यशाला में भी हेरिटेज गैलरी लगाई गई।

18 अप्रैल

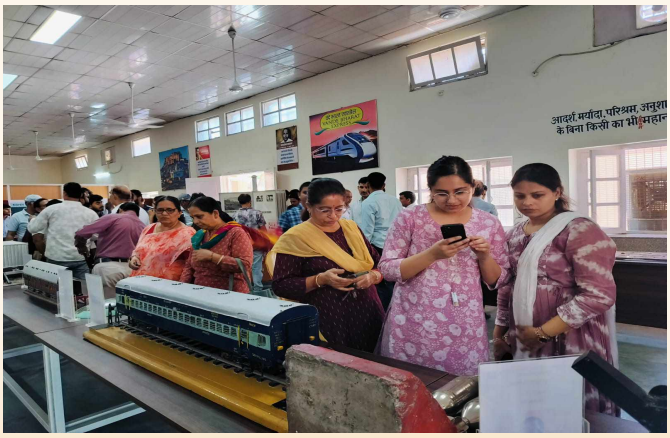

सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) रेलवे बोर्ड का जयपुर दौरा

श्री ब्रज मोहन अग्रवाल, सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) रेलवे बोर्ड ने एक दिवसीय जयपुर दौरा किया। दौरा पर मुख्यालय पर महाप्रबंधक श्री अमिताभ, संबधित विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों के साथ उत्तर पश्चिम रेलवे पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) ने जयपुर जंक्शन स्टेशन पर एकीकृत क्रू लॉबी और रनिंग रूम का निरीक्षण किया तथा सुरक्षित ट्रेन संचालन में सुधार के लिए रनिंग स्टाफ से बातचीत की। उन्होंने जयपुर कोचिंग डिपो की वाशिंग लाइन चल रहे निर्माण कार्य एवं खातीपुरा स्टेशन पर बन रहे कोचिंग डिपो का भी निरीक्षण किया।

19 अप्रैल

माह के प्रमुख हिंदी साहित्यकार

राहुल सांकृत्यायन

जन्म : 9 अप्रैल 1893
पुण्यतिथि : 14 अप्रैल 1963

आधुनिक हिंदी के साहित्यकार, घुमक्कड़-शास्त्री, भाषा-विज्ञानी, धर्मशास्त्र-ज्ञाता महापंडित, राहुल सांकृत्यायन का जन्म पंदहा ग्राम, जिला आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) हुआ। इन्होंने हिंदी साहित्य के अतिरिक्त धर्म, दर्शन, लोक साहित्य, यात्रा साहित्य, जीवनी, राजनीति, इतिहास, संस्कृत ग्रंथों की टीका और अनुवाद, कोश, तिब्बती भाषा आदि विषयों पर लिखा है। राहुल जी को पाठकों ने 'महापंडित' की उपाधि दी। इन्हें 'पद्मभूषण' और 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रमुख रचनाएं - सतमी के बच्चे, वोल्गा से गंगा (कहानी), बाईसवीं सदी जीने के लिए, सिंह सेनापति, जय यौधेय, भागो नहीं, दुनिया को बदलो, मधुर स्वप्न (उपन्यास), सरदार पृथ्वीसिंह (जीवनी)

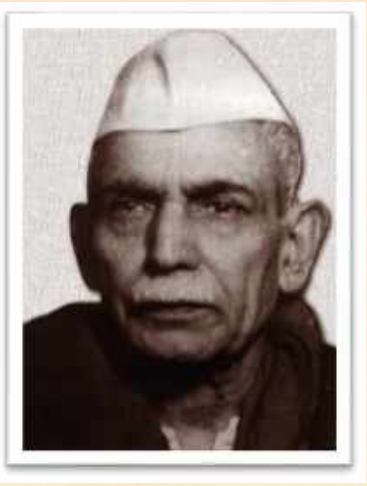

माखनलाल चतुर्वेदी

जन्म : 4 अप्रैल 1889
पुण्यतिथि : 30 जनवरी 1968

कवि माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म मध्य प्रदेश के होशंगाबाद ज़िले के बावई में हुआ। सन् 1913 में इन्होंने 'प्रभा' पत्रिका का संपादन शुरू किया और इसी क्रम में गणेश शंकर विद्यार्थी के संपर्क में आए, जिनके देश-प्रेम और सेवाव्रत का इन पर गहन प्रभाव पड़ा। ये 'पुष्प की अभिलाषा' कविता से भारतीय जन-मन में हमेशा के लिए बस गए।

सन्1953 में साहित्य अकादमी की स्थापना के बाद इसका पहला साहित्य अकादमी पुरस्कार 1955 में इन्हें ही प्रदान किया गया। भारत सरकार ने इन्हें 'पद्म भूषण' से अलंकृत किया।

प्रमुख रचनाएं - 'हिमकिरीटिनी', 'हिमतरंगिनी', 'युग चरण', 'समर्पण', 'मरण ज्वार', 'माता', 'वेणु लो गूँजे धरा', 'बीजुरी काजल ऑंज रही', 'कृष्णार्जुन युद्ध', 'साहित्य के देवता' एवं 'समय के पाँव'

सोशल मीडिया

NORTH WESTERN RAILWAY
Stand Your Ground Not Too Close
stay behind the yellow line on platform
/NWRailways /NWRailways_
सुरक्षित एवं तेज सम्पर्क, उत्तर पश्चिम रेलवे का संकल्प

उत्तर पश्चिम रेलवे
विश्व पृथ्वी दिवस
पर आइए!
22 अप्रैल
हम अपने पृथ्वी को बचाने और
पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें!
"हमारा ग्रह, हमारी शक्ति"
सुरक्षित एवं तेज सम्पर्क, उत्तर पश्चिम रेलवे का संकल्प | /NWRailways NWRailways_

प्रभावी जनसंपर्क प्रगतिशील समाज का केंद्र है
राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ
21 अप्रैल, 2025
CREATIVE
उत्तर पश्चिम रेलवे
सुरक्षित एवं तेज संपर्क, उत्तर पश्चिम रेलवे का संकल्प | /NWRailways NWRailways_ | www.nwr.indianrailways.gov.in

North Western Railway
www.nwr.indianrailways.gov.in
भारतीय रेल
देश की सेवा
में 172 वर्षों
से कार्यरत
उद्योग, व्यापार, पर्यटन, कृषि, निर्यात,
मालढुलाई सहित यात्री परिवहन के
क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देती देश की
जीवन रेखा भारतीय रेल
सुरक्षित एवं तेज सम्पर्क, उत्तर पश्चिम रेलवे का संकल्प | /NWRailways NWRailways_

"बुद्धि का विकास मानव
के अस्तित्व का
अंतिम लक्ष्य होना चाहिए"
डॉ. भीमराव अम्बेडकर
जयंती की
हार्दिक शुभकामनाएं
-14 अप्रैल -
उत्तर पश्चिम रेलवे
सुरक्षित एवं तेज संपर्क, उत्तर पश्चिम रेलवे का संकल्प | /NWRailways NWRailways_ | www.nwr.indianrailways.gov.in

ट्रेन के दरवाज़े पर बैठना
स्टाइल नहीं, जानलेवा है!
उत्तर पश्चिम रेलवे
www.nwr.indianrailways.gov.in
ट्रेन के दरवाजों
पर बैठने से बचें
/NWRailways /NWRailways_ पर हमसे मिलें
सुरक्षित एवं तेज़ सम्पर्क, उत्तर पश्चिम रेलवे का संकल्प

महाप्रबंधक का अजमेर मंडल का एक दिवसीय दौरा

महाप्रबंधक श्री अमिताभ का अजमेर मंडल का एक दिवसीय दौरा किया। ब्यावर, सोजत रोड़,मारवाड़ जंक्शन, रानी तथा फालना स्टेशनों पर अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महाप्रबंधक द्वारा मारवाड़ जंक्शन स्टेशन पर मीटर गेज यार्ड का निरीक्षण किया।एवं मारवाड़ जंक्शन स्टेशन पर रेल कर्मचारियों के साथ सुरक्षा संवाद भी किया। महाप्रबंधक द्वार अजमेर-पालनपुर खंड पर स्थित आबू रोड़ व श्रीअमीरगढ़ स्टेशनों का भी निरीक्षण किया गया। अजमेर- पालनपुर खंड पर महाप्रबंधक ने स्टेशनों के निरीक्षण की अतिरिक्त रेलवे ट्रैक, पॉइंट्स, आदि का भी निरीक्षण किया एवं ट्रैकमैन, गैंगमैन आदि से भी संवाद किया।

21 अप्रैल

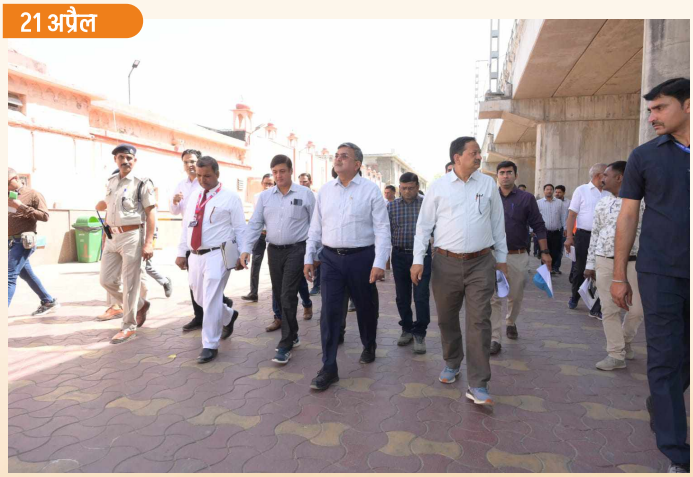

उत्तर पश्चिम रेलवे पर सिविल सर्विस डे मनाया गया

उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय पर प्रमुख वित्त सलाहकार की अध्यक्षता में 17वां लोक सेवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारीयों ने अपने अनुभव साझा किए।

21 अप्रैल

उ प रे राज्य भारत स्काउट गाइड, मुख्यालय संघ द्वारा परिंडा अभियान का आरम्भ

उ प रे राज्य भारत स्काउट गाइड, मुख्यालय संघ द्वारा "पृथ्वी दिवस" के अवसर पर परिंडा अभियान चलाया गया। इस अभियान का शुभारम्भ महाप्रबंधक श्री अमिताभ द्वारा स्काउट शुभम को परिंडा भेंट कर किया गया। इस अवसर पर स्काउट गाइड के सभी सदस्यों को पृथ्वी को सुरक्षित रख कैसे पृथ्वी का ख्याल रखा जा सकता है, इसके बारे में समझाया गया एवं पृथ्वी को हरा-भरा रखने में अपना योगदान देने की शपथ दिलाई गई। इस अभियान के लिए सभी ब्लॉक के प्रभारी नियुक्त किए गए हैं तथा सभी रोवर, रेंजर, स्काउट एवं गाइड को परिंडा देकर घर-घर परिंडा बनवाने का कार्य कर पक्षियों के लिए दाना, पानी की व्यवस्था करने का संकल्प दिलाया गया।

22 अप्रैल

सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) रेलवे बोर्ड का जयपुर दौरा

श्री हितेंद्र मल्होत्रा, सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) रेलवे बोर्ड ने एक दिवसीय जयपुर दौरा किया । दौरे पर उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक एवं परिचालन , वाणिज्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आय, माल लदान, व्यवसाय विकास इकाइयों के कार्यों की समीक्षा की तथा माल लदान बढ़ाने , यात्रियों की शिकायतों का समय पर समाधान करने, उत्तर पश्चिम रेलवे की आय बढ़ाने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) रेलवे बोर्ड द्वारा जयपुर मंडल के कनकपुरा स्टेशन पर स्थित रेलवे माल गोदाम एवं डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया- डीएफसीसीआई (समर्पित माल ढुलाई गलियारा) के न्यू फुलेरा स्टेशन और कनकपुरा स्थित माल गोदाम का भी निरीक्षण किया।

26 अप्रैल

महाप्रबंधक का देशनोक रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने एक दिवसीय जोधपुर मंडल के दौरे पर देशनोक रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देशनोक स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों ,नवनिर्मित भवन और यात्री सुविधाओं का अवलोकन किया एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

27 अप्रैल

उत्तर पश्चिम रेलवे पर रेल परियोजनाओं पर तेजी से हो रहा काम; सुचारु रेल यातायात के लिए कई सुधार कार्य भी किए

उत्तर पश्चिम रेलवे पर नई लाइन, गेज परिवर्तन, रेल मार्ग के दोहरीकरण व विद्युतिकरण, रेलवे ओवर/अंडर ब्रिज, आदि परियोजनाओं तथा रेल यातायात के सुधार पर तेजी से काम किया जा रहा है

उत्तर पश्चिम रेलवे पर लगभग 21000 करोड रुपए की लागत से 808 किलोमीटर दोहरीकरण एवं 555 किलोमीटर नई लाइन के कार्य स्वीकृत हैं जिन पर तेज गति से कार्य प्रगति है पर है। वित्तीय वर्ष 2024- 25 में लगभग 70 किलोमीटर नई लाइन व दोहरीकरण तथा गेज परिवर्तन के कार्य पूरे किए गए है। वर्ष 2024-25 में राजस्थान के दो महानगरों जयपुर एवं जोधपुर के मध्य दोहरीकरण का कार्य पूर्ण किया गया तथा दौसा- गंगापुर सिटी नई लाइन का कार्य पूर्ण कर रेल संचालन प्रारंभ किया गया। इसके साथ ही रतनगढ़ -मोलीसर रेल मार्ग का भी दोहरीकरण कार्य भी इसी वर्ष किया गया। रतनगढ़ -मोलीसर रेल मार्ग का विद्युतीकरण कार्य भी इस साल किया गया । उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ के कुशल मार्गदर्शन में वर्ष 2024-25 में उत्तर पश्चिम रेलवे पर 351 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ। इसके साथ ही कुल 5466 रूट किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण उत्तर पश्चिम रेलवे पर किया जा चुका है। सूरतगढ़ थर्मल प्लांट के याई मे 14.49 किलोमीटर की नई लाइन का कार्य सफलतापूर्वक किया गया।

इसके अतिरिक्त काठुवास- अटेली, कुंड काठुवास और मनहेरु -भिवानी रेल खंड के दोहरीकरण का कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। मारवाड़ बाईपास लाइन, सवाई माधोपुर बायपास लाइन तथा पुष्कर -मेड़ता नई लाइन की भी स्वीकृति इस वर्ष प्राप्त हो चुकी है। इनके अतिरिक्त अनूपगढ़ -बीकानेर नई लाइन, लालगढ़-बीकानेर व नारनौल -फुलेरा रेल मार्ग के दोहरीकरण कार्यों की डीपीआर बनाकर रेलवे बोर्ड भेजी गई हैं।

जयपुर से लगभग 70 किलोमीटर दूर गुढा-ठठाना मिठडी के बीच लगभग 967 करोड की लागत से बन रहे 64 किलोमीटर लंबे आरडीएसओ डेडीकेटेड टेस्ट ट्रैक का लगभग 47 किलोमीटर का कार्य पूरा हो चुका है। यह कार्य दिसंबर 2025 तक पूर्ण होने की संभावना है।

इनके साथ ही इस वित्तीय वर्ष में 103 बड़े एवं छोटे पूलों का कार्य पूर्ण किया गया तथा 07 रोड ओवर ब्रिज और 39 रोड अंडर ब्रिज बनाए गए हैं जिस कारण 25 लेवल क्रॉसिंग को बंद किया गया है।

रेल यातायात को अधिक सुचार बनाने के लिए कई कार्य वर्ष 2024-25 में किए गए। पंडोली, मारवाड़ मथानिया, गडवाला, कपासन, रानाप्रतापनगर, कीरोड़ा स्टेशनों पर अतिरिक्त लूप लाइन डाली गई है ताकि ट्रेनों की क्रॉसिंग में लगने वाले अतिरिक्त समय को कम किया जा सके और ट्रेनों की समय पालना सुनिश्चित किया जा सके। बीकानेर पूर्व स्टेशन पर 02 पूर्ण लंबाई की रेल लाइने तथा भगत की कोठी स्टेशन पर 03 पूर्ण लंबाई की स्टेबलिंग रेल लाइने डाली गई हैं। इन कार्यों से उत्तर पश्चिम रेलवे पर संरक्षित रेल संचालन और ट्रेनों की समय पालना सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

डिजीटल इंडिया की ओर बढ़ते कदम-रेलवे संबंधित 100% भुगतान अब ऑनलाइन पद्धति से ; उत्तर पश्चिम रेलवे डायनामिक क्यूआर कोड कमिशनिंग में सम्पूर्ण भारतीय रेलवे में प्रथम स्थान पर

भारतीय रेलवे द्वारा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में डिजीटल इंडिया की तरफ सराहनीय कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय रेलवे पर रेलवे टिकट, पार्सल, रिटायरिंग रूम, गुड़स एवं अन्य सभी भुगतान के लिए ऑनलाइन डिजिटल भुगतान की सेवा उपलब्ध है

रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर्स को लंबी भीड़ से निजात दिलाने और डिजिटल इंडिया की तरफ एक और कदम बढ़ाते हुए अब रेलवे स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट काउंटरों पर भी ऑनलाइन डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। डिजिटल पेमेंट के जरिए कम समय में लोगों को टिकट मिल रहा है, जिससे रेलवे में पैसो के लेन-देन में ट्रांसपरेंसी को भी बढ़ावा मिल रहा है।

महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे श्री अमिताभ के कुशल दिशा निर्देशन में बुकिंग खिड़कियों पर डिजिटल भुगतान हेतु डायनामिक क्यूआर कोड कमिशनिंग करने में उत्तर पश्चिम रेलवे समस्त भारतीय रेलवे में प्रथम स्थान पर है, स्टेशनों पर डिजीटल माध्यम से पेमेंट की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए सभी 603 लोकेशन पर क्यूआर कोड स्थापित किए गए हैं। डिजीटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए डायनेमिक क्यूआर कोड कमिशनिंग में उत्तर पश्चिम रेलवे भारतीय रेलवे में अग्रणी है।

रेलवे की इस नई व्यवस्था से लोग रेलवे स्टेशन पर मौजूद टिकट काउंटर पर फत् कोड के जरिए पेमेंट कर रहे हैं। इसमें पेटीएम, गूगल पे और फोन पे जैसे प्रमुख न्च्प् मोड से भुगतान किया जा सकता है। क्यूआर कोड के स्थापित होने से अधिकाधिक पेमेंट इसके माध्यम से प्राप्त हो रहे हैं।

इसके साथ ही रेल के माध्यम से सामान (पार्सल) भेजने वाले ग्राहकों की सुविधा के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे के सभी 34 पार्सल ऑफिस में पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम (PMS) की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से सामान बुक करवाना व भुगतान करना बहुत ही आसान और पारदर्शी प्रक्रिया है जिसमें सभी जानकारी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

हाल ही में रेलवे ने साधारण श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यूटीएस ऑन मोबाइल एप में भी बड़ा बदलाव किया है, जिसमें जनरल टिकट बुक करवाने की दूरी सीमा को समाप्त कर दिया गया है। इस सुविधा के प्रारम्भ होने के फलस्वरूप अब यात्री जनरल टिकट किसी भी स्थान से ऑनलाइन बुक करवा सकते हैं। यहाँ उल्लेखित है कि जियो फेसिंग की न्यूनतम दूरी में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है जिसके तहत यात्री प्लेटफार्म और ट्रेन के अन्दर से ऑनलाइन जनरल टिकट बुक नहीं करवा सकता है।

रेलवे द्वारा डिजीटल पेमेंट को सभी स्तरों पर लागू करने का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को आसान पेमेंट सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ पारदर्शिता को बढ़ावा भी देना है और भारत सरकार की डिजीटल इंडिया मुहिम को मजबूती के साथ आगे बढाया जाए।

उत्तर पश्चिम रेलवे

उत्तर पश्चिम रेलवे पर अप्रैल माह की ई - बुलेटिन

उत्तर पश्चिम रेलवे

सुरक्षित एवं तेज़ संपर्क, उत्तर पश्चिम रेलवे के संकल्प

www.nwr.indianrailways.gov.in